

(b) if so, whether Government have issued any instructions to the Engineers of the State of Bihar to remedy this defect; and

(c) if so, with what result?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI SIDDHESHWAR PRA-SAD): (a) Yes, Sir.

(b) A supplementary ventway, by way of an eight feet diameter tunnel was suggested to be constructed, on the right side, at a suitable elevation, so as to draw water in the right canal when the reservoir level goes below elevation 380.

(c) The site has already been inspected by a Geologist and investigations for ascertaining the sub-surface conditions are in progress. The detailed estimate for the tunnel will be prepared after these investigations are complete.

Decree Cases Pending in Court of Rent Controller, Delhi

4639. SHRI RAMAVATAR SHARMA: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that large number of cases of execution of decree proceedings are pending in the Court of Rent Controller, Delhi;

(b) if so, their number as on the 1st October, 1968;

(c) the reasons for the delay in the disposal of these cases; and

(d) the action proposed to be taken by Government to remedy the situation?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI IQBAL SINGH): (a) to (d). No. On. 1.10.1967, 3204 suits were pending in the Courts of Rent Controllers in Delhi. 6,160 fresh cases were instituted during the year ended 30.9.1968. Out of the total of 9,364 cases, 5,947 were decided between 1.10.1967 and 30.9.1968, and 671 decrees executed during the same period and 597 decree proceedings were pending on 1.10.1968. Out of this 175 are lying stayed and only 131 are over one year old. As such it cannot be said that large number of cases of execution of decree proceedings are pending.

बाढ़ नियंत्रण सम्बन्धी जानकारी

4640. श्री गुणानन्द ठाकुर: क्या सिंचाई और विद्युत् मंत्री 25 नवम्बर, 1968 के प्रतारंकित प्रश्न संख्या 2059 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या संबंधित विभाग बाढ़ नियंत्रण के बारे में आवश्यक जानकारी पहिले से थी;

(ख) यदि हां, तो यह दौरा करने का क्या कारण था; और

(ग) यदि नहीं, तो आवश्यक जानकारी पहिले से प्राप्त न करने के क्या कारण थे; ताकि जान और माल की इतनी भारी हानि न होती ?

सिंचाई तथा विद्युत् मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद): (क) और (ख). शिष्टमंडल ने बाढ़ नियंत्रण उपायों पर अमरीका के प्रसिद्ध बाढ़ नियंत्रण अभियंताओं के साथ विस्तृत अध्ययन करने और विचार-विमर्श करने के लिए अमरीका का दौरा किया। यह दौरा विशेष रूप से तलकषण और तटों के स्थिरीकरण के संबंध में था जोकि अमरीका में बड़े पैमाने पर हो रहे हैं परन्तु भारत वर्ष में अभी शुरू नहीं किए गए हैं। चूकि इन कार्यों के लिए काफी अनुसंधानों और अध्ययनों तथा वित्तीय परिव्ययों की आवश्यकता है; अतः भारत वर्ष में इस पद्धति पर और इस मात्रा तक इन कार्यों को शुरू करने के सम्बन्ध में निष्कर्ष निकालने के लिए यह आवश्यक समझा गया कि उनकी ध्यान पूर्वक जांच की जाय।

(ग) तकनीकी जानकारी प्राप्त करना एक निरन्तर प्रक्रिया है क्योंकि उन देशों में भिन्न-भिन्न उपाय अपनाए जाते हैं जिन्होंने औद्योगिकीय विकास में द्रुत अनुसंधान कर लिए हैं और हम अपनी तकनीकों में सुधार करने के लिए वहाँ अपनाई गए तरीकों के अध्ययन से लाभ उठा सकते हैं।